

में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा

में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा, ऊंचिया दे संग लाई
सदके जावां एहना ऊंचिया तो जिन्हा निवेया नाल निभायी

जे में वेखा करम अपने, कुछ ना मेरे पल्ले
जे में वेखा रेहमत तेरी, बल्ले बल्ले बल्ले
में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा...

डोल रही सी नैया मेरी, उत्तो रात हेनरी
धन नी सईओ प्रीतम मेरे, जिनने बाह पकड़ लई मेरी
में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा...

माली बाग दी राखी करदा, फल कच्चे हों या पक्के
सतगुरु सब ते रेहमत करदा, चेला पक्का होवे या कच्चे
में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा...

दर तेरे में आई हां सतगुरु जी, शोभा सुनके तेरी
दर तेरे दी में बन गयी चाकर, लाज रखो हूँ मेरी
में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा...

हर घर में सतगुरु दा नज़ारा, पूर्ण सतगुरु मेरा
भवसागर से पार करेगा, सब दुनिया दा बेडा
में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा...

दासन दास अरज गुजारे, सुन लै सतगुरु मेरी
तेरे सिवाय मेरा होर न कोई, ओट लई गुरु तेरी
में नीवी मेरा सतगुरु ऊँचा...

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/952/title/main-nivi-mera-satguru-uncha-uncheya-de-naal-layi-sadke-java-ohna-uncheya-to-jina-niveya-sang-nibhayi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |